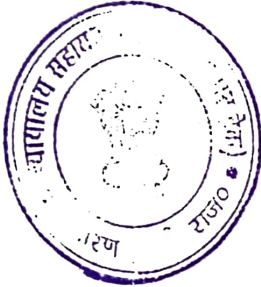



अतः उपर्युक्त बिंदुवार विवेचन के आधार पर हमारा यह विनम्र अभिमत
; कि हस्तगत प्रकरण में मूल वाद के निस्तारण तक उभयपक्षकारान को वादग्रस्त
आराजी का रहन, बेचान व हस्तान्तरण नहीं करने तथा वर्तमान भू-अभिलेख में
परिवर्तन नहीं करने हेतु पाबंद किया जाना उचित एवं आवश्यक समझते हैं।


--: आदेश ::--

अतः उपर्युक्त विवेचन के आलोक में निष्कर्षतः प्रार्थना-पत्र
सायलान अंतर्गत धारा 212, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 वास्ते अस्थाई
निषेधाज्ञा बखूबी साबित होने एवं सारवान होने से स्वीकार किया जाता है।
उभयपक्षकारान् को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा पाबन्द किया जाता है कि ताफैसला
वाद वादग्रस्त आराजी सरहद मौजा बलाडा पटवार हल्का बलाडा तहसील जैतारण
में स्थित कृषि भूमि खसरा नम्बर 1643/1209 रकबा 2.7936 हेक्टेयर किस्म
बारानी दोयम आई हुई है में वादग्रस्त आराजी के राजस्व रेकॉर्ड व मौके की
यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली इसी माफिक निर्णित होकर संख्या से एक कम
होकर दायिल दफ़तर जमा हो।




सहायक जज (फास्ट ट्रेक)
राजस्थान, जिला-ब्यावर
(फास्ट ट्रेक), जैतारण
जिला-ब्यावर (राज0)

निर्णय आज दिनांक 17.04.2025 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।


सहायक जज (फास्ट ट्रेक)
राजस्थान, जिला-ब्यावर
(फास्ट ट्रेक), जैतारण
जिला-ब्यावर (राज0)